Hindi Murli Quiz 16-12-2015

.

Q.1) **वह एक ही गॉड फादर है जो जन्म-मरण रहित है। ऐसे नहीं कि नाम-रूप से न्यारी कोई चीज़ है। आत्मा का वा परमात्मा का रूप बहुत सूक्ष्म है, जिसको स्टॉर व बिन्दू कहते हैं। शिव की पूजा करते हैं, शरीर तो है नहीं। अब आत्मा बिन्दी की पूजा हो न सके इसलिए उनको बड़ा बनाते हैं पूजा के लिए। समझते हैं शिव की पूजा करते हैं। परन्तु उनका रूप क्या है, वह नहीं जानते। यह सब बातें बाप इस समय ही आकर समझाते हैं।**

A. (●) True

B. ( ) False

Explanation:

Q.2) **थे। ब्लाइन्डफेथ था। सिवाए जानने के किसकी पूजा करना वा याद करना उसको ब्लाइन्डफेथ कहा जाता है। और अपने श्रेष्ठ धर्म, श्रेष्ठ कर्म को भी भूल जाने से वह कर्म भ्रष्ट, धर्म भ्रष्ट बन पड़ते हैं। भारतवासी इस समय दैवी धर्म से भी भ्रष्ट हैं। बाप समझाते हैं वास्तव में तुम हो प्रवृत्ति मार्ग वाले। वही देवतायें जब अपवित्र बनते हैं तब देवी-देवता कह नहीं सकते इसलिए नाम बदल हिन्दू धर्म रख दिया है। यह भी होता है ड्रामा प्लैन अनुसार।**

A. (●) True

B. ( ) False

Explanation:

Q.3) **अभी तुम काल पर जीत पहन रहे हो, ड्रामा के प्लैन अनुसार। भारतवासी भी 5 वर्ष या 10 वर्ष का प्लैन बनाते हैं ना। समझते हैं हम रामराज्य स्थापन कर रहे हैं। बेहद के बाप का भी प्लैन हैं रामराज्य बनाने का। वह तो सब हैं मनुष्य। मनुष्य तो रामराज्य स्थापन कर न सके। रामराज्य कहा ही जाता है सतयुग को।**

A. (●) True

B. ( ) False

Explanation:

Q.4) **Match the following**

	Choice	Match
A	जैसे बाप अति प्यारा लगता है बाप के बिना जीवन नहीं,	ऐसे ही सेवा के बिना जीवन नहीं।
B	निरन्तर योगी के साथ-साथ	निरन्तर सेवाधारी बनो। सोते हुए भी सेवा हो।
C	सोते समय यदि कोई आपको देखे तो	आपके चेहरे से शान्ति, आनंद के वायब्रेशन अनुभव करे।
D	हर कर्मेन्द्रिय द्वारा बाप के याद की	स्मृति दिलाने की सेवा करते रहो।
E	अपनी पावरफुल वृत्ति द्वारा	वायब्रेशन फैलाते रहो,
F	कर्म द्वारा	कर्मयोगी भव का वरदान देते रहो
G	हर कदम में पदमों की कमाई जमा करते रहो तब	कहेंगे निरन्तर सेवाधारी अर्थात् सर्विसएबल।

Explanation :

Q.5) **अपनी ____ को स्मृति में रखो तो मायाजीत बन जायेंगे।**

A. ( ) ब्राह्मण जीवन

B. ( ) सतयुगी जीवन

C. ( ) फ़रिश्ता ड्रेस

D. (●) रूहानी पर्सनैलिटी

Explanation:

Q.6) **तुमको बाबा ने ऐसी दवाई दी है __ की, जिससे तुम 21 जन्मों के लिए पवित्र बन जाते हो।**

A. ( ) ज्ञान - योग

B. (●) मनमनाभव

C. ( ) अशरीरी

Explanation:

Q.7) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

A. [x] बाप झट एक धर्म की स्थापना कर बाकी सब अनेक धर्मों का विनाश करा देते हैं, एक धक से।

B. [x] खान पान की भी परहेज चाहिए, और दूसरी बात बाप को याद करना है तो जन्म जन्मान्तर के पाप कट जायेंगे।

C. [x] बच्चे कम पैदा हों उसके लिए भी कितना माथा मारते रहते हैं। समझते नहीं यह तो बाप का ही काम है।

D. [x] भ्रष्ट से श्रेष्ठ बनना है। उसके लिए बाप को याद करना है। कल्प पहले भी तुमने ही यह ज्ञान लिया था, जो फिर अब लेते हो।

E. [x] सबको कहना है अपने को आत्मा समझो। माँ-बाप में ज्ञान होगा तो बच्चों को भी सिखायेंगे-शिवबाबा को याद करो।

Explanation:

Explanation:

Q.8) **ज्ञान, भक्ति, वैराग्य, यह बाप समझाते हैं। वैराग्य दो प्रकार का है - एक है हठयोगी निवृत्ति मार्ग वालों का, वह घरबार छोड़ जंगल में जाते हैं। अब तुमको तो बेहद का सन्यास करना है, सारे मृत्युलोक का। बाप कहते हैं यह सारी दुनिया भस्मीभूत होने वाली है। ड्रामा को बहुत अच्छी रीति समझना है। जूं मिसल टिक-टिक होती रहती है। जो कुछ होता है फिर कल्प 5 हज़ार वर्ष बाद हूबहू रिपीट होगा। इसको बहुत अच्छी रीति समझकर बेहद का सन्यास करना है।**

A. ◉ True

B. ○ False

Explanation:

Q.9) **Match the following**

	Choice	Match
A	बाप को याद करने से ही पाप भस्म हो जायेंगे	इनको योग अग्नि कहा जाता है।
B	विलायत में बच्चे रहते हैं, वहाँ भी मुरली जाती है।	है। यह स्कूल हैं ना। वास्तव में यह है गॉड फादरली युनिवर्सिटी।
C	बाप कहते हैं सबमें व्यापक है आत्मा।	मैं कैसे व्यापक होऊंगा? तुम मुझे बुलाते ही हो-हे पतित-पावन आओ, हमको पावन बनाओ।
D	बाप कहते हैं मैं निराकार आकर इनका लोन लेता हूँ।	टेम्प्रेरी लोन लिया है, इनको भाग्यशाली रथ कहा जाता है।
E	ऐसी पढ़ाई तो कभी कानों से नहीं सुनी, न किसको कहते हुए देखा	जो कहे बच्चों तुम आत्म-अभिमानी हो बैठो।
F	ऐसे नहीं कहना चाहिए कि सतयुग के मालिक थे।	सतयुग में विश्व के मालिक थे।

Explanation :

Q.10) **Match the following**

	Choice	Match
A	पवित्र बनकर पक्का __ बनना है।	वैष्णव
B	खान-पान की भी पूरी __ करनी है।	परहेज
C	श्रेष्ठ बनने के लिए __ पर जरूर चलना है।	श्रीमत
D	मुरली से स्वयं को __ करना है	रिफ्रेश
E	कहाँ भी रहते __ बनने का पुरूषार्थ करना है।	सतोप्रधान
F	मुरली एक दिन भी __ नहीं करनी है।	मिस

Explanation :